समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.)
के अन्तर्गत

मुख्य सेविका प्रशिक्षण

(माहः अप्रैल व मई, 2012)

प्रशासनिक प्रतिवेदन

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

दूरभाषः 05212– 298292 फैक्सः 05212–298209

Email-sirdup2005@rediffmail.com Website: sirdup.nic.in

मुख्य सेविका प्रशिक्षण

(माहः अप्रैल व मई, 2012)

‖

प्रशासनिक प्रतिवेदन

‖

प्रशिक्षण टीम–

- डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक / समन्वयक आई0सी0डी0एस0 प्रशि0
- डॉ0 विनीता सिंह, शोध सहायक
- श्री शिव भगवान, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0
- सुश्री सुमन पाण्डेय, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0
- सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0

‖

'महिला एवं बाल कल्याण एवं पोषण संकाय'

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

विषय वस्तु

1. पृष्ठभूमि
2. प्रशिक्षण उद्देश्य
3. प्रशिक्षण साहित्य की सूची
4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय
5. प्रशिक्षण विधि
6. प्रशिक्षण मूल्यांकन / निष्कर्ष
7. संसाधन व्यक्तियों की सूची
8. प्रतिभागियों की सूची
9. प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा
10. समय सारिणी
11. ग्रुप फोटोग्राफ
12. क्षेत्रीय भ्रमण
    - 12.1 प्रथम क्षेत्रीय भ्रमण रिपोर्ट
    - 12.2 द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण रिपोर्ट

मुख्य सेविका प्रशिक्षण

1 पृष्ठभूमि

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी0के0टी0, लखनऊ पर स्थापित मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित होने वाला मुख्य सेविका प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान बी0के0टी0, लखनऊ पर संचालित किये जा रहे है। वित्तीय वर्ष 2012–13 के माह अप्रैल तथा मई, 2012 में तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों की कुल 78 मुख्य सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसका विवरण निम्नवत् है–

सत्र क्रमांक	अवधि	प्रशिक्षण का प्रकार	प्रतिभागी संख्या	जनपद
1	10.04.12 से 16.04.12	पुनश्चर्या प्रशिक्षण	33	हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली, लखनऊ
2	23.04.12 से 29.04.12	पुनश्चर्या प्रशिक्षण	19	गाजीपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच
3	07.05.12 से 13.05.12	पुनश्चर्या प्रशिक्षण	26	सुल्तानपुर, बाराबंकी, छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, बलरामपुर
	योग		78	

2 प्रशिक्षण उद्देश्य

- प्रतिभागियों को समेकित बाल विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना।
- प्रतिभागियों को आई0सी0डी0एस0 के तीन मुख्य घटक स्वास्थ्य एवं पोषण, समुदाय सहभागिता एवं शालापूर्व शिक्षा सम्बन्धी तकनीकी जानकारी देना।
- प्रतिभागियों की कार्य कुशलता व क्षमता का विकास करना, जिससे वे सुचारू रूप से अपना कार्य कर सकें।
- प्रतिभागियों को मानीटरिंग एवं सुपरविजन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

3 प्रशिक्षण साहित्य की सूची

- बढ़ता बचपन
- बढ़ती बच्ची के लिए पोषण
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री हेतु मार्ग निर्देशिका
- बीमार बच्चों को आहार देना
- गर्भावस्था के दौरान देखभाल
- मातृ बाल सुरक्षा कार्ड– मार्ग दर्शक पुस्तिका

- स्वास्थ्य एवं पोषण पुस्तिका
- बाल विकास पुस्तिका
- सबला माड्यूल

4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय

प्रशिक्षण में कुछ नये विषयक भी समाहित किये गये हैं जैसे कि सूचना का अधिकार, आपदा प्रबन्धन, एच0आई0वी0/एड्स, कार्यालय एवं वित्त प्रबन्धन, राजीव गांधी किशोरी सशक्तीकरण योजना (सबला) एवं इन्दिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना (आई.जी.एम.एस.वाई.) आदि।

5. प्रशिक्षण विधि

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण माड्यूल के अनुसार विभिन्न प्रशिक्षण विधियॉ जैसेः वार्ता, सामूहिक परिचर्चा, सामूहिक अभ्यास, रोलप्ले, सामूहिक प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तरी विधि, प्रबन्धन खेल दृश्य–श्रव्य सामग्री द्वारा, सामूहिक खेलकूद, कहानी, चार्ट इत्यादि का प्रयोग किया गया।

पुनश्चर्या प्रशिक्षणः

सात दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण में पांच कार्य दिवस होते हैं। इसके अर्न्तगत स्वास्थ्य एवं पोषण, सामुदायिक सहभागिता, शालापूर्व शिक्षा प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन आदि विषय शामिल है। कुछ नये विषय भी शामिल किये गये हैं जैसे– एच.आई.वी./एड्स, सूचना का अधिकार, आपदा प्रबन्धन इन पांच कार्य दिवसों में से एक दिन व्यवहारिक ज्ञान हेतु क्षेत्रीय भ्रमण कराया गया।

प्रशिक्षण को उपयोगी बनाने के लिए सहभागियो को प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक परिचर्चा के बाद चार्ट द्वारा प्रस्तुतीकरण कराया गया। पुनश्चर्या प्रशिक्षण में रोल प्ले व सामूहिक प्रस्तुतीकरण भी कराया गया। अन्तिम दिन मूल्यांकन व प्रतिपुष्टि एवं समापन हुआ ।

6. प्रशिक्षण का मूल्यांकन/निष्कर्ष

प्रशिक्षण की व्यवहारिकता एवं उपयोगिता का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से किया गया, जिसके आधार पर सभी वार्ताकारों द्वारा दी गई वार्ता बहुत ज्ञानवर्धक और उपयोगी रही। विशेषतः हाट कुक, सूचना का अधिकार एच0आई0वी0/एड्स एंव राजीव गांधी किशोरी सशक्तिकरण योजना एंव इन्दिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना, जैसे विषय अत्याधिक उपयोगी लगे। इसके साथ विभिन्न भ्रमणों द्वारा व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त उपयोगी रही।

7. संसाधन व्यक्तियों की सूची

1. डॉ0 एल0एम0 जोशी, अपर निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
2. डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
3. श्री राकेश सक्सेना, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
4. डॉ0 विनीता सिंह, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
5. श्री आर0के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रशिक्षक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
6. सुश्री कामिनी श्रीवास्तव सी0डी0पी0ओ0 बाल विकास परियोजना, काकोरी।
7. सुश्री पाराधिकारी, मुख्य सेविका, बाल विकास परियोजना, बख्शी का तालाब, लखनऊ
8. डॉ0 प्रतीक नलवा, चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बख्शी का तालाब, लखनऊ।
9. श्री शेषनाथ सिंह ए0डी0ओ0, बख्शी का तालाब, लखनऊ।
10. श्री शिव भगवान, अनुदेशक, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
11. श्रीमती सुमन पाण्डेय, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
12. सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।

8. प्रतिभागियों की सूची

(क) पुनश्चर्या प्रशिक्षण (10.04.12 से 16.04.12)

क्र.सं.	प्रतिभागी नाम सर्व सुश्री	परियोजना एवं जनपद का नाम
1.	ज्योति सिंह	राही– रायबरेली
2.	मिथलेश कुमारी	सरेनी– रायबरेली
3.	निशा श्रीवास्तव	सरेनी– रायबरेली
4.	निशा महाजन	सरेनी– रायबरेली
5.	शैल कुमारी	खीरो– रायबरेली
6.	धनपति देवी	खीरो– रायबरेली
7.	तारा रानी द्विवेदी	खीरो– रायबरेली
8.	पन्नावती	बॉगरमऊ– उन्नाव
9.	आशा देवी	बॉगरमऊ– उन्नाव
10.	शशि किरन	बिछियां– उन्नाव
11.	स्नेहलता	बिछियां– उन्नाव
12.	शालिनी कटियार	फतेहपुर, 84– उन्नाव
13.	जयश्री वर्मा	गंजमुरादाबाद– उन्नाव
14.	माधुरी देवी	गंजमुरादाबाद– उन्नाव
15.	राजकुमारी	भरावन– हरदोई
16.	राम रानी मिश्रा	शाहाबाद– हरदोई
17.	राजरानी सिंह	सण्डीला– हरदोई
18.	रामलली गुप्ता	शहर– हरदोई
19.	बृजेश रानी	कछौना– हरदोई
20.	चिन्ता कुमारी	कछौना– हरदोई
21.	सरोजनी कुमारी	काकोरी– लखनऊ
22.	शशि कटियार	गोसाईगंज– लखनऊ
24.	ममता बाजपेयी	अलीगंज– लखनऊ
25.	दीपिका साइमन	आलमनगर– लखनऊ
26.	संजुलाबाई मिश्रा	अलीगंज– लखनऊ
27.	ममता तिवारी	कसमण्डा– सीतापुर
28.	रेनू बाला सिंह	खैराबाद– सीतापुर
29.	सीमा	खैराबाद– सीतापुर
30.	पुष्पा देवी	कसमण्डा– सीतापुर
31.	ममता तिवारी	पिहानी– हरदोई
32.	अंजली वर्मा	सिधौली– सीतापुर
33.	गीता यादव	सिधौली– सीतापुर

(ख) पुनश्चर्या प्रशिक्षण (23.04.12 से 29.04.12)

क्र.सं.	प्रतिभागी का नाम सर्व सुश्री	परियोजना एवं जनपद का नाम
1.	रीता सिंह	बेहजम– खीरी
2.	रचना	बेहजम– खीरी
3.	बीना मिश्रा	मोहम्मदी– खीरी
4.	गंगा देवी	मोहम्मदी– खीरी
5.	विमला पाठक	पसगवां– खीरी
6.	जफर सुल्ताना	ईसानगर– खीरी
7.	शिवप्यारी कटियार	ईसानगर– खीरी
8.	चन्द्रावती वर्मा	कैसरगंज– बहराइच
9.	नसीम फातिमा	कैसरगंज– बहराइच
10.	कृष्णा कुमारी	जरवल– बहराइच
11.	उमेश श्रीवास्तव	फखरपुर– बहारइच
12.	सुषमा सक्सेना	जरवल– बहारइच
13.	सीमा श्रीवास्तव	फखरपुर– बहारइच
14.	बेबी श्रीवास्तव	सैदपुर– गाजीपुर
15.	गीता सिंह	सैदपुर– गाजीपुर
16.	गायत्री दुबे	जखनिया– गाजीपुर
17.	फूलमती पासवान	जखनिया– गाजीपुर
18.	लाची देवी	मनिहारी– गाजीपुर
19.	रमन सिंह	रेवतीपुर– गाजीपुर

(ग) पुनश्चर्या प्रशिक्षण (07.05.12 से 13.05.12)

क्र. सं.	प्रतिभागी नाम सर्व सुश्री	परियोजना एवं जनपद का नाम
1.	सत्यवती पाण्डेय	धनपतगंज– सुल्तानपुर
2.	शिवकुमारी सिंह	कूरेभार– सुल्तानपुर
3.	रामदुलारी	धनपतगंज– सुल्तानपुर
4.	सुनीता	कूरेभार– सुल्तानपुर
5.	तारा शर्मा	कूरेभार– सुल्तानपुर
6.	विज्ञानी सिंह	कूरेभार– सुल्तानपुर
7	मीनाकुमारी वर्मा	फतेहपुर– बाराबंकी
8.	शैलकुमारी शुक्ला	सिद्वौर– बाराबंकी
9.	मधु	रामनगर– बाराबंकी
10.	पूनम वर्मा	त्रिवेदीगंज– बाराबंकी
11.	चमेला सिंह	हैदरगढ़– बाराबंकी
12.	आशा रानी	पूरेडलई– बाराबंकी
13.	अर्चना यादव	बंकी– बाराबंकी
14.	अर्चना वर्मा	भेटुआ– सी.एस.एम.नगर
15.	नीलम विश्वकर्मा	भेटुआ– सी.एस.एम.नगर
16.	ममता वर्मा	छतोह– सी.एस.एम.नगर
17.	ऊषा त्रिवेदी	भादर– सी.एस.एम.नगर
18.	सूर्यकली सिंह	भादर– सी.एस.एम.नगर
19.	अर्चना वर्मा	सलोन– सी.एस.एम.नगर
20.	अनीता यादव	सलोन– सी.एस.एम.नगर
21.	मुन्नी देवी	देहात– बलरामपुर
22.	प्रमिला पाण्डेय	देहात– बलरामपुर
23.	किरन सिंह	गैंसडी– बलरामपुर
24.	राजकुमारी सोनकर	देहात– बलरामपुर
25.	प्रतिमा द्विवेदी	शहर– बलरामपुर
26.	पद्मावती मिश्रा	पचपेडवा– बलरामपुर

9. प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा–त्वरित प्रक्रिया प्रश्नावली के आधार पर

(क) प्रशिक्षण सामग्री/साहित्य

क्र0सं0	श्रेणी	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
		10/04/12 से 16/04/12	23/04/12 से 29/04/12	07/05/12 से 13/05/12
1.	अति उत्तम	2	3	6
2.	उत्तम	20	11	14
3.	सामान्य	11	6	6
	योग	33	19	26

(ख) प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था

क्र0सं0	श्रेणी	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
		10/04/12 से 16/04/12	23/04/12 से 29/04/12	07/05/12 से 13/05/12
1.	अति उत्तम	3	8	10
2.	उत्तम	17	9	10
3.	सामान्य	13	2	6
	योग	33	19	26

(ग) भोजन एवं आवास

क्र0सं0	श्रेणी	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
		10/04/12 से 16/04/12	23/04/12 से 29/04/12	07/05/12 से 13/05/12
1	अतिउत्तम	–	7	1
2	उत्तम	5	2	11
3	सामान्य	28	10	14
	योग	33	19	26

(घ) क्षेत्रीय भ्रमण

क्र0सं0	श्रेणी	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
		10/04/12 से 16/04/12	23/04/12 से 29/04/12	07/05/12 से 13/05/12
1	अतिउत्तम	14	–	20
2	उत्तम	14	–	5
3	सामान्य	5	–	1
	योग	33	–	26

(ड़) प्रशिक्षण विधियॉ

क्र0सं0	श्रेणी	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	तृतीय सत्र
		10/04/12 से 16/04/12	23/04/12 से 29/04/12	07/05/12 से 13/05/12
1	अतिउत्तम	18	9	21
2	उत्तम	15	10	5
3	सामान्य	–	–	–
	योग	33	19	26

(अ) वार्ताओं का प्रस्तुतीकरण

क्र. सं.	वार्ता विषय	प्रथम सत्र				द्वितीय सत्र				तृतीय सत्र			
		अति उत्तम	उत्तम	सामान्य	योग	अति उत्तम	उत्तम	सामान्य	योग	अति उत्तम	उत्तम	सामान्य	योग
1.	आई.सी.डी.एस. के कार्यक्रम का पुनरावलोकन + प्रस्तुतीकरण	26	6	1	**33**	9	9	1	**19**	25	1	—	**26**
2.	महिलाओं एंव बच्चों में एच0आई0वी0 / एड्स तथा परिवार शिक्षा	27	6	—	**33**	11	8	—	**19**	25	1	—	**26**
3	आई0सी0डी0एस0 में शिक्षा और प्रारम्भिक बाल्यावस्था की देखभाल का पुनरावलोकन + कार्य	26	6	1	**33**	12	7	—	**19**	25	1	—	**26**
4.	बच्चों एवं महिलाओं से सम्बन्धित नए सरकारी कार्यक्रम एवं नीतियां एवं डी0डब्लू0सी0डी0 द्वारा जारी आई0सी0डी0एस0 को निर्देश	26	6	1	**33**	12	7	—	**19**	25	1	—	**26**
5.	आई0सी0डी0एस0 में ग्राम पंचायतों की भूमिका व समन्वय	19	7	7	**33**	2	16	1	**19**	9	12	3	**26**
6	हाटकुक एवं अभिलेखों का रख रखाव	23	10	—	**33**	5	13	1	**19**	18	6	2	**26**
7	आई0सी0डी0एस0 कार्यक्रम के अर्न्तगत दी जाने वाली पोषण सेवाओं का पुनरावलोकन एवं पोषण माह एवं स्वास्थ्य पोषण माह दिवस	27	6	—	**33**	11	8	—	**19**	25	1	—	**26**
8	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	19	7	7	**33**	2	15	2	**19**	11	9	6	**26**
9	स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण	19	7	7	**33**	2	16	1	**19**	25	1	—	**26**
10	आई0सी0डी0एस0 में आई0ई0सी0 और बच्चों तथा महिलाओं से सम्बन्धित ज्वलन्त मुद्दे	27	6	—	**33**	12	7	—	**19**	25	1	—	**26**
11	डब्लू0एच0ओ0 न्यू स्टैंण्डर्ड ग्रोथ मानीटरिंग+ अभ्यास कार्य	26	6	1	**33**	9	9	1	**19**	25	1	—	**26**
12	राजीव गांधी किशोरी बालिका सशक्तिकरण योजना व मातृत्व सहयोग योजना	27	6	—	**33**	12	7	—	**19**	25	1	—	**26**
13	शालापूर्व शिक्षा के लिए कियाकलाप और शालापूर्ण शिक्षा हेतु कम लागत की सामग्री को निर्माण + किट प्रदर्शन	27	6	—	**33**	12	7	—	**19**	25	1	—	**26**
14	आई0सी0डी0एस0 के अर्न्तगत दी जाने वाली आई0एम0एन0सी0आई0 का पुनरावलोकन, रोल प्ले	27	6	—	**33**	11	8	—	**19**	25	1	—	**26**
15	मुख्य सेविका के लिए कार्यालय प्रबन्धन	20	8	5	**33**	2	15	2	**19**	11	9	6	**26**
16	बच्चों में इन्डैमिक रोग व अपंगता के कारणों का चिन्हीकरण	—	—	—	**—**	—	—	—	**—**	6	11	9	**26**

10. समय सारिणी

मुख्य सेविका पुनश्चर्या प्रशिक्षण समय–सारणी (दिनांक 10 अप्रैल से 16 अप्रैल, 2012)						
दिनांक दिन	फीड बैक	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	01.15- 02.15	तृतीय सत्र	चतुर्थ सत्र
	09.00 -10.00	10.00 - 11.30	11.45 -01.15		02.15-03.45	04.00-05.30
10.04.12	पंजीकरण			भोजन अवकाश	अनुभव सहभागिता + प्री–टेस्ट + प्रशिक्षण कार्यक्रम से परिचय	आई0सी0डी0एस0 से परिचय
मंगलवार	अनुदेशकगण				सश्री सुमन पाण्डेय/सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शिव भगवान
11.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण (आई0सी0डी0एस0)	आई0सी0डी0एस0 के अर्न्तगत दी जाने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं + बाल स्वास्थ्य पोषण सेवाऐं		प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल + शालापूर्व शिक्षा	आई0सी0ई0 का पुनरावलोकन
बुधवार	श्री शिवभगवान	श्री शिवभगवान	सुश्री मुद्रिका शर्मा		सुश्री सुमन पाण्डेय	सुश्री सुमन पाण्डेय/ सुश्री मुद्रिका शर्मा
12.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0एम0एन0सी0आई0	आई0सी0डी0एस0 में पंचायत की भूमिका		कार्यालय प्रबन्धन + सूचना का अधिकार	स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण
गुरूवार	सुश्री सुमन पाण्डेय	सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शेषनाथ सिंह, ए0डी0ओ0		श्री राकेश सक्सेना	श्री आर0के0 श्रीवास्तव
13.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	क्षेत्रीय भ्रमण (मामपुर, अकोहरी)			हाटकुक तथा एम0पी0आर0	
शुक्रवार	सुश्री मुद्रिका शर्मा	अनुदेशक गण			सुश्री कामिनी श्रीवास्तव	
14.04.12	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती अवकाश				डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती अवकाश	
15.04.12	रविवारीय अवकाश				रविवारीय अवकाश	
16.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	वृद्वि निगरानी + अभ्यास कार्य	सबला योजना		समुदाय सहभागिता का पुनरावलोकन + मूल्यांकन	समापन
सोमवार	श्री शिवभगवान		सुश्री सुमन पाण्डेय		श्री शिव भगवान/ अनुदेशकगण	प्रशिक्षण टीम

मुख्य सेविका पुनश्चर्या प्रशिक्षण समय–सारणी

(दिनांक 23 अप्रैल से 29 अप्रैल, 2012)

दिनांक दिन	फीड बैक	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	01.15-02.15	तृतीय सत्र	चतुर्थ सत्र
	09.00 -10.00	10.00 - 11.30	11.45 -01.15		02.15-03.45	04.00-05.30
23.04.12	पंजीकरण			भोजन अवकाश	अनुभव सहभागिता	प्री–टेस्ट
सोमवार	अनुदेशकगण				डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय/ अनुदेशकगण	अनुदेशकगण
24.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0सी0डी0एस0 कार्यक्रम से परिचय			प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल + शालापूर्व शिक्षा	
मंगलवार	श्री शिवभगवान				सुश्री सुमन पाण्डेय	
25.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0सी0डी0एस0 के अर्न्तगत दी जाने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाऐं	आई0सी0डी0एस0 में पंचायत की भूमिका		आई0एम0एन0सी0आई0	
बुधवार	सुश्री मुद्रिका शर्मा	सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शेषनाथ सिंह, ए0डी0ओ0		सुश्री मुद्रिका शर्मा	
26.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	वृद्धि निगरानी + अभ्यास कार्य	आई0एम0एन0सी0आई0 पर प्रस्तुतीकरण		कार्यालय प्रबन्धन	स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण
गुरूवार	श्री शिव भगवान/ सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शिव भगवान	सुश्री मुद्रिका शर्मा		श्री राकेश सक्सेना	श्री आर0के0 श्रीवास्तव
27.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	सबला तथा आई0जी0एम0एस0आई0 योजना	क्षेत्रीय भ्रमण (कठवारा)		हाटकुक + एम0पी0आर0	आई0ई0सी0
शुक्रवार	अनुदेशकगण	सुश्री सुमन पाण्डेय	अनुदेशकगण		सुश्री पराधिकारी	सुश्री सुमन पाण्डेय
28.04.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	बाल पोषण माह	वृद्धिनिगरानी पर टेस्ट		मुल्यांकन एवं समापन	
शनिवार	सुश्री मुद्रिका शर्मा	सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शिव भगवान		डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय/ अनुदेशकगण	

मुख्य सेविका पुनश्चर्या प्रशिक्षण समय–सारणी

(दिनांक 07 मई से 13 मई, 2012)

दिनांक दिन	फीड बैक	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र	01.15-02.15	तृतीय सत्र	चतुर्थ सत्र
	09.00 -10.00	10.00 - 11.30	11.45 -01.15		02.15-03.45	04.00-05.30
07.05.12	पंजीकरण			भोजन अवकाश	अनुभव सहभागिता	प्री–टेस्ट
सोमवार	अनुदेशकगण				अनुदेशकगण	अनुदेशकगण
08.05.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0सी0डी0एस0 कार्यक्रम से परिचय	आई0सी0डी0एस0 के अर्न्तगत दी जाने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा		बाल पोषण माह	प्रारम्भिक बाल्यावस्था के दौरान देखभाल
मंगलवार	सुश्री सुमन पाण्डेय	श्री शिव भगवान	सुश्री मुद्रिका शर्मा		सुश्री मुद्रिका शर्मा	सुश्री सुमन पाण्डेय
09.05.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0एम0एन0सी0आई0	सबला तथा आई0जी0एन0एस0वाई0		अवकाश नियम	सूचना का अधिकार
बुधवार	सुश्री मुद्रिका शर्मा		सुश्री सुमन पाण्डेय		श्री राकेश सक्सेना	
10.05.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	वृद्धि निगरानी	आई0सी0डी0एस0 में पंचायत की भूमिका तथा समन्वय		हाटकुक	आई0सी0डी0एस0 **Fourth Phase**
गुरूवार	सुश्री सुमन पाण्डेय/ सुश्री मुद्रिका शर्मा	श्री शिव भगवान	श्री शेषनाथ सिंह		सुश्री कामिनी श्रीवास्तव	डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय
11.05.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	क्षेत्रीय भ्रमण			बच्चों में इन्डेमिक रोग से बचाव एवं टीकाकरण	भ्रमण रिपोर्ट
शुक्रवार	श्री शिव भगवान	अनुदेशकगण			डॉ0 प्रतीक नलवा	अनुदेशकगण
12.05.12	खेल, फीडबैक, गृहकार्य	आई0सी0डी0एस0 में आई0ई0सी0 की भूमिका	वृद्धिनिगरानी पर अभ्यास		मुल्यांकन एवं समापन	
सोमवार	सुश्री मुद्रिका शर्मा	सुश्री मुद्रिका शर्मा/ सुश्री सुमन पाण्डेय	श्री शिव भगवान		डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय/ अनुदेशकगण	

11– ग्रुप फोटो ग्राफ

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र
(आई.सी.डी.एस. उत्तर प्रदेश)
मुख्य सेविका प्रशिक्षण
दिनाँकः– 07.05.2012 से 13.05.2012
दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान
बख्शी का तालाब लखनऊ– 227207

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र (M L T C)

मुख्य सेविका पुनश्चर्या प्रशिक्षण (दिनांक-10-16 अप्रैल 2012)

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र
(आई.सी.डी.एस. उत्तर प्रदेश)
मुख्य सेविका प्रशिक्षण
दिनाँकः- 23.04.2012 से 29.04.2012
दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान
बख्शी का तालाब लखनऊ- 227207

12– प्रशिक्षण सत्रों की क्षेत्रीय भम्रण रिपोर्ट

12.1 प्रथम सत्र का क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 10.04.12 से 16.04.12 का क्षेत्रीय भम्रण

दिनांक .13.04.12 को जनपद लखनऊ, बख्शी का तालाब के तीन गांव के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया गया। प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूहों में अलग–अलग विषयों पर कार्य किया गया। प्रथम समूह ने वृद्धि निगरानी पर कार्य किया, द्वितीय समूह ने आईएम0एन0सी0आई0 तथा तृतीय समूह ने शालापूर्व शिक्षा पर कार्य किया। समूहवार प्रतिभागियों द्वारा किये गये कार्य का विवरण निम्नवत् है–

समूह 1– अकोहरी गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर आये बच्चों का वजन लेना व माताओं को परामर्श देना।

समूह 2– मामपुर गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर आये बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन आईएम0एन0सी0आई0 प्रपत्र द्वारा करना।

समूह 3– बाना गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर आये बच्चों की शालापूर्व शिक्षा की स्थिति देखना।

समूह 1–

इस समूह के प्रतिभागियों ने अकोहरी गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया जिसके अर्न्तगत प्रतिभागियों ने वृद्धि निगरानी पर कार्य किया। केन्द्र पर आये कुल 07 बच्चों का वजन लिया गया तथा बच्चों की माताओं को परामर्श दिया गया। जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	माता का नाम	आयु	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	परामर्श
1	जूली	माधुरी	4वर्ष 2माह	12.9	सामान्य	मां की प्रशंसा की तथा स्वास्थ्य देखभाल के बारे में परामर्श दिया।
2	अभय	सुषमा	1वर्ष 2माह	8.4	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आप के बच्चे का वजन कम है। खाना समय व अलग से देने कि सलह दी जिससे बच्चे की खुराक बढ़ सके।
3	तन्नू	शर्मिला	4वर्ष 8माह	11.8	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन कम है, इसके खान–पान पर विशेष ध्यान दे नहीं तो अतिकुपोषित श्रेणी में आ जायेगा।
4	अनुष्का	निर्मला	11माह	6.5	आंशिक अल्पवजन	बच्चे का वजन कम है अर्द्ध ठोस आहार समय उचित मात्रा में देती रहे तथा वजन समय से कराती रहें।
5	शुभम	रीता	4वर्ष 9माह	12.5	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन कम है, इसके खान–पान पर विशेष ध्यान दे नहीं तो अतिकुपोषित श्रेणी में आ जायेगा।
6	खुशी	बीना	4वर्ष 5माह	11.6	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन कम है, इसके खान–पान पर विशेष ध्यान दे नहीं तो अतिकुपोषित श्रेणी में आ जायेगा।
7	नैंसी	किरन	1वर्ष 10माह	10.0	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन कम है, इसके खान–पान पर विशेष ध्यान दे नहीं तो अतिकुपोषित श्रेणी में आ जायेगा।

निष्कर्ष– प्रतिभागियों के द्वारा अध्ययन से पता चला कि कुल 7 बच्चों में 01 बच्चा सामान्य तथा 06 बच्चे आंशिक रूप से अल्पवजन स्तर के थे।

समूह 2–

इस समूह के प्रतिभागियों ने मामपुर गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर आये 10 बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन आई0एम0एन0सी0आई0 द्वारा किया। जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	आयु	स्वास्थ्य की स्थिति	टीकाकरण	परामर्श
1	सूर्या	9वर्ष	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
2	नियति	1वर्ष 6माह	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
3	तन्मय	5माह	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
4	शशी	1वर्ष 11माह	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
5	देवांश	1वर्ष	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
6	आदित्य	2वर्ष 3माह	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
7	प्रिंस	3वर्ष	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।
8.	लौकुश	2वर्ष 3माह	दस्त	पूर्ण	दस्त की स्थिति का मूल्यांकन कर बचचों को ओ0आर0एस0 का घोल की निर्धारित मात्रा देने का परामर्श दिश साथ में सह भी बताया गया कि स्थिति में सुधार न होने पर डॉक्टर के पास लें जाये।
9.	वैष्णो देवी	2वर्ष 8माह	दस्त	पूर्ण	दस्त की स्थिति का मूल्यांकन कर बचचों को ओ0आर0एस0 का घोल की निर्धारित मात्रा देने का परामर्श दिश साथ में सह भी बताया गया कि स्थिति में सुधार न होने पर डॉक्टर के पास लें जाये।
10.	अंशू	2वर्ष	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया तथा बच्चे को इसी प्रकार देख भाल करने की सलह दी।

निष्कर्ष– प्रतिभागियों के द्वारा अध्ययन से पता चलता है कि कुल 10 बच्चों में 08 बच्चे सामान्य तथा 02 बच्चे कुपोषित स्तर के पाये गये।

समूह 3–

इस समूह के प्रतिभागियों ने बाना गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर आये बच्चों में शालापूर्व स्थिति का मूल्यांकन निर्धारित प्रारूप द्वारा किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	आयु	शालापूर्व स्थिति
1.	तान्या	4वर्ष 10माह	सन्तोषजनक
2.	दिपांशु	3वर्ष	उत्तम
3.	राज	4वर्ष 5माह	सन्तोषजनक
4.	निधि	4वर्ष 5माह	सन्तोषजनक
5.	दयाशंकर	4वर्ष 3माह	उत्तम
6.	लवकुश	3वर्ष 6माह	उत्तम
7.	मनीषा	3वर्ष 3माह	उत्तम
8.	मानसी	3वर्ष 3माह	उत्तम
9.	निशेष	3वर्ष 4माह	सन्तोषजनक
10.	विमल	4वर्ष 7माह	उत्तम

निष्कर्ष :– प्रतिभागियों के द्वारा अध्ययन से पता चलता है कि कुल 10 बच्चों का शालापूर्व शिक्षा के स्तर का मूल्यांकन किया जिसमें से 06 बच्चे उत्तम स्तर के थे, बाकी 04 बच्चों का स्तर सन्तोषजनक पाया गया।

12.2 द्वितीय सत्र का क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 07.05.12 से 13.05.12 का क्षेत्रीय भम्रण

दिनांक 11.05.12 को जनपद लखनऊ के बख्शी का तालाब परियोजना के दो गांव का भ्रमण करया गया प्रतिभागियो को तीन समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने गांव के आंगनवाडी केन्द्र की स्थिति देखी तथा केन्द्र पर आये बच्चों का वजन लिया उसके बाद ग्रह भ्रमण द्वारा बच्चों की माताओं को परामर्श दिया एक प्रतिभागी ने आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति तथा बाकी प्रतिभागियों ने वृद्धि निगरानी पर कार्य किया समूहवार भ्रमण हेतु आवंटित क्षेत्रों का विवरण निम्नवत् हैः–

समूह– 1 कुम्हरावां गांव के प्रथम आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति देखना तथा बच्चों का वजन लेना।

समूह– 2 कुम्हरावां गांव के द्वितीय आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति देखना तथा बच्चों का वजन लेना

समूह– 3 उनाई गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति देखना तथा बच्चों का वजन लेना।

प्रथम समूह– इस समूह के प्रतिभागियों ने कुम्हरावां गांव के प्रथम आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति देखी तथा केन्द्र पर आये बच्चों का वजन लेकर उनकी माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्नवत् है।

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा कुम्हरावां प्रथम आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैंः–

1. **केन्द्र की स्थिति–** आंगनवाड़ी केन्द्र प्राथमिक विद्यालय में चलाया जाता है। केन्द्र साफ–सुथरा था।
2. **केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें–** रसोई व शौचालय की व्यवस्था नहीं है हैण्डपम्प की भी व्यवस्था नही है सहायिका बाहर से पानी लाती है।
3. **केन्द्र पर उपलब्ध सामान–** केन्द्र पोस्टर से सजा हुआ है।
4. **लाभार्थी समूह–** प्रतिभागियो ने केन्द्र की पंजिकाओं का अवलोकन किया जिससें पता चला की 07 माह से 03 वर्ष के कुल 60 बच्चे थे, 43 बच्चे पंजीकृत थे। 03 से 06 वर्ष के भी कुल 75 बच्चे थे, 50 बच्चे पंजीकृत थे। किशोरी बालिकाओं की कुल संख्या 48 थी, जिसमें 32 पंजीकृत थी। गांव के कुल 10 गर्भवती जिसमें 04 पंजीकृत थी तथा 15 धात्री थी, 07 पंजीकृत थी।
5. **अभिलेख की स्थिति–** प्रतिभागियों द्वारा अभिलेखों का मूल्यांकन किया गया जिसमें पोषण पंजिका, उपास्थिति पंजिका, स्टाक पंजिका, हाटकुक पंजिका, केश बुक एवं वजन पंजिका पाये गए सभी पूर्ण थे।
6. **पूरक पोषाहार की स्थिति–** बच्चों को मीनू के अनुसार हॉटकुक में मूंग की खिचड़ी दी गई। केन्द्र पर रसोई की व्यवस्था न होने के कारण हाट कुक में दिये जाने वाला खाना कार्यकत्री घर से बना कर लाती है।

(ख) वृद्धि निगरानी

इस समूह के प्रतिभागियों ने वृद्धि निगरानी पर कार्य किया गया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है:–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	अभिवावक का नाम	आयु	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	परामर्श
1	गुड़िया	सुमन	2वर्ष 6माह	10.100	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
2.	शिवम	रमेश	3वर्ष 2माह	12.700	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चा सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
3.	रूकमान	उसमान	4वर्ष 9माह	14.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चा सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
4.	कोमल	राजू	3वर्ष	11.100	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
5.	गुन्नू	विनय	4वर्ष 6माह	11.800	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आप के बच्चे का वजन कम है इसके खान पान पर विषेश ध्यान दे नही तो बच्चे का वजन और कम होता जायेगा जिससे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।
6.	वंश	अमित	2वर्ष 7माह	10.000	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आप के बच्चे का वजन कम है इसके खान पान पर विषेश ध्यान दे नही तो बच्चे का वजन और कम होता जायेगा जिससे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।
7.	विराट	अमित	2वर्ष 7माह	09.00	गम्भीर रूप से अल्पवजन	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन बहुत कम है। डॉक्टर के पास ले जाने का परामर्श दिया।
8.	अंकुर	दिनेश	2वर्ष 7माह	12.100	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चा सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।

निष्कर्षः– प्रतिभागियों द्वारा कुल 8 बच्चों का वजन लिया गया जिसमें 4 बच्चें सामान्य स्तर, 2 बच्चें आंशिक रूप से तथा 2 बच्चें गम्भीर रूप से अल्प वजन के पाये गये।

द्वितीय समूह– प्रतिभागियों द्वारा कुम्हरावां द्वितीय आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैः–

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

1. **केन्द्र की स्थिति–** आंगनवाड़ी केन्द्र प्राथमिक विद्यालय में चलाया जाता है। केन्द्र साफ–सुथरा था।
2. **केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें–** रसोई व शौचालय की व्यवस्था नहीं है हैण्डपम्प की भी व्यवस्था नही है सहायिका बाहर से पानी लाती है।
3. **केन्द्र पर उपलब्ध सामान–** केन्द्र पोस्टर से सजा हुआ है।
4. **लाभार्थी समूह–** प्रतिभागियो ने केन्द्र की पंजिकाओं का अवलोकन किया जिससें पता चला की 0 माह से 03 वर्ष के कुल 60 बच्चें थे, 32 बच्चे पंजीकृत थे। 03 से 06 वर्ष के भी कुल 52 बच्चें थे, 50 बच्चे पंजीकृत थे। किशोरी बालिकाओं की कुल संख्या 48 थी, जिसमें 40 पंजीकृत थी। गांव के कुल 10 गर्भवती जिसमें 05 पंजीकृत थी तथा 15 धात्री थी, 03 पंजीकृत थी।
5. **अभिलेख की स्थिति–** प्रतिभागियों द्वारा अभिलेखों का मूल्यांकन किया गया जिसमें पोषण पंजिका, उपास्थिति पंजिका, स्टाक पंजिका, हाटकुक पंजिका, केश बुक एवं वजन पंजिका पाये गए सभी पूर्ण थे।
6. **पूरक पोषाहार की स्थिति–** बच्चों को मीनू के अनुसार हॉटकुक में मूंग की खिचड़ी दी गई। केन्द्र पर रसोई की व्यवस्था न होने के कारण हाट कुक में दिये जाने वाला खाना कार्यकत्री घर से बना कर लाती है।

(ख) वृद्धि निगरानी

इस समूह के प्रतिभागियों द्वारा कुल 8 बच्चों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया हैः–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	अभिवावक का नाम	आयु	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	परामर्श
1.	अंकिता	संतराम	2वर्ष 3माह	10.400	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
2.	ऋतिका	विजय	4वर्ष 6माह	11.800	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया कि आप की बच्ची का वजन कम है इसके खान पान पर विषेश ध्यान दे नही तो बच्चे का वजन और कम होता जायेगा जिससे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।
3.	मानसी	किशन	5वर्ष	14.700	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
4.	दिपाली	सोनू	4वर्ष	13.100	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान

						दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
5.	ऋषि	राम बहादुर	4वर्ष	12.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
6.	अंश	सोनू	3वर्ष 1माह	11.900	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चा सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
7.	गुड़िया	सियाराम	8माह	6.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
8.	साक्षी	अभिषेक	3वर्ष 2माह	11.000	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चाी सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।

निष्कर्ष– प्रतिभागियों ने 08 बच्चों का मूल्यांकन किया जिसमें से 7 बच्चे सामान्य तथा 1 बच्चा आंशिक अल्पवजन स्तर का पाया गया।

तृतीय समूह– प्रतिभागियों द्वारा उनाई गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैंः–

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

1. **केन्द्र की स्थिति–** आंगनवाड़ी केन्द्र निजि भवन में चलाया जाता है जो की साफ–सुथरा था।
2. **केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें–** रसोई व शौचालय की व्यवस्था नहीं है हैण्डपम्प की भी व्यवस्था नहीं है परन्तु खाना उसी कमरे में बनाया जाता है।
3. **केन्द्र पर उपलब्ध सामान–** बर्तन उपलब्ध नही हैं तथा वजन मशीन उपलब्ध है व सही स्थिति में है। खेल सामग्री, पाठन सामग्री, ग्रोथ चार्ट व पोस्टर लगे हुए हैं।
4. **लाभार्थी समूह–** आंगनवाड़ी केन्द्र पर सर्वे रजिस्टर न मिलने के कारण लक्ष्य समूह का विवरण प्राप्त नहीं हो पाया।
5. **अभिलेख की स्थिति–** आंगनवाड़ी केन्द्र पर कोई रजिस्टर उपल्ब्ध नहीं था जिसके कारण अभिलेख की स्थिति का पता नहीं चल पाया।
6. **पूरक पोषाहार की स्थिति–** बच्चों को मीनू के अनुसार हॉटकुक में मूंग की दाल की बनी हुई खिचड़ी दी गई थी। बच्चों से बात करने पर पता चला मार्निंग स्नेक्स में लइया चना दिया गया था।

(ख) वृद्धि निगरानी

इस समूह के प्रतिभागियों द्वारा कुल 8 बच्चों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया हैः–

क्र.सं.	बच्चे का नाम	अभिवावक का नाम	आयु	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	परामर्श
1.	नैनसी	राजू	2वर्ष 10माह	10.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
2.	विध्यवासिनी	रमेश	2वर्ष	10.000	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
3.	कुश	राम खेलावन	2वर्ष 2माह	11.000	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्चा सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
4.	नेहा	प्रेम किशोर	3वर्ष 2माह	11.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
5.	पिंकी	राम कृपाल	2वर्ष 3माह	8.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है बच्चे का खान–पान पर ध्यान दें अन्यथा आप की बच्ची अल्पवजन में आ जायेगी।
6.	लक्ष्मी	शिवकुमार	4माह	5.500	सामान्य	मां को बताया गया कि बच्ची सामान्य स्तर की है 06 माह तक केवल स्तनपान करायें तथा उसके उपरान्त उपरी आहार अवश्य दें।
7.	शनि	स्वयंम्बर	1वर्ष 8माह	8.600	आंशिक अल्पवजन	मां को बताया गया कि बच्चे को ऊपरी आहार दें। साफ सफाई का ध्यान दें तथा केन्द्र पर नियमित वजन करयें।

निष्कर्ष– प्रतिभागियों ने 07 बच्चों का मूल्यांकन किया जिसमें से सभी बच्चें सामान्य थे मात्र 01 बच्चा आंशिक अल्पवजन में था।

समाप्त